Jankinath Aarti

(जानकीनाथ की आरती)

ॐ जय जानकिनाथा, हो प्रभु जय श्री रघुनाथा।
दोउ कर जोड़े विनवौं,प्रभु मेरी सुनो बाता।।
ॐ जय...।।

तुम रघुनाथ हमारे, प्राण पिता माता।
तुम हो सजन संघाती, भक्ति मुक्ति दाता ।।
ॐ जय...।।

चौरासी प्रभु फन्द छुड़ावो, मेटो यम त्रासा।
निश दिन प्रभु मोहि राखो, अपने संग साथा।।
ॐ जय...।।

सीताराम लक्ष्मण भरत शत्रुहन, संग चारौं भैया।
जगमग ज्योति विराजत, शोभा अति लहिया।।
ॐ जय...।।

Shrihanumanchalisa.in

हनुमत नाद बजावत, नेवर ठुमकाता।
कंचन थाल आरती, करत कौशल्या माता।।
ॐ जय...।।

किरिट मुकुट कर धनुष विराजत, शोभा अति भारी।
मनीराम दरशन कर, तुलसिदास दरशन कर, पल पल बलिहारी।।
ॐ जय...।।

जय जानकिनाथा, हो प्रभु जय श्री रघुनाथा।
हो प्रभु जय सीता माता, हो प्रभु जय लक्ष्मण भ्राता।।
ॐ जय...।।

हो प्रभु जय चारौं भ्राता, हो प्रभु जय हनुमत दासा।
दोउ कर जोड़े विनवौं, प्रभु मेरी सुनो बाता।।
ॐ जय...।।